भाग IV

भाषा I

हिन्दी

निर्देश : नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सबसे सही विकल्प चुनिए ।

91. भाषायी कौशलों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है ?

(1) भाषायी कौशल एक-दूसरे से स्वतंत्र होते हैं ।

(2) भाषायी कौशल एक क्रम से सीखे जाते हैं ।

(3) भाषायी कौशल एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करते ।

(4) भाषायी कौशल एक साथ सीखे जाते हैं, क्रम से नहीं ।

92. भाषा-शिक्षण में बालक में मौखिक कौशल के विकास के लिए _____ सबसे कम महत्त्वपूर्ण है ।

(1) बच्चों की बात को धैर्य से सुनना

(2) प्रश्नों के उत्तर पूछना

(3) अपनी बात कहने का पूरा मौक़ा देना

(4) किसी विषय पर चर्चा करना

93. भाषा विकास के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(1) बड़ों का सम्पर्क भाषा विकास की गति को तीव्र कर देता है ।

(2) भाषा विकास व्यक्ति सापेक्ष है ।

(3) प्रारम्भिक भाषायी परिवेश की समृद्धता भाषायी विकास में सहायक होता है ।

(4) भाषा विकास व्यक्ति निरपेक्ष है ।

94. भाषा सीखने की कौन-सी विधि मातृ भाषा को मध्यस्थ बनाए बिना दूसरी भाषा को सीखने में सहायक होती है ?

(1) द्विभाषी विधि

(2) अप्रत्यक्ष विधि

(3) प्रत्यक्ष विधि

(4) अनुवाद विधि

95. भाषा अर्जन के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सत्य है ?

(1) समाज-सांस्कृतिक परिवेश के अनुसार अर्थ-ग्रहण की प्रक्रिया स्वाभाविक होती है ।

(2) भाषा अर्जन में बच्चे को बहुत अधिक प्रयास करना पड़ता है ।

(3) भाषा अर्जन में किसी अन्य भाषा का व्याघात होता है ।

(4) भाषा सीखना एक उद्देश्य होता है ।

96. पाठ के अन्त में अभ्यास और गतिविधियों का उद्देश्य _____ ***नहीं*** है ।

(1) सृजनात्मकता का विकास करना

(2) बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना

(3) प्रश्नों के उत्तर सरलता से याद करवाना

(4) भाषा का विस्तार करना

97. पहली और दूसरी कक्षा में भाषा-शिक्षण के साथ ही कला शिक्षा को समेकित करने का उद्देश्य ***नहीं*** है

(1) बच्चों द्वारा आनन्द की प्राप्ति

(2) बच्चों के लेखन में परिपक्वता लाना

(3) बच्चों की रचनात्मकता का विकास

(4) चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्ति का विकास

98. पठन-पाठन के अन्त में ऐसे अभ्यास एवं गतिविधियाँ हों जो

(1) बच्चों को स्वयं कुछ करने और सीखने का अवसर प्रदान करें

(2) केवल पाठ से ही सम्बन्धित हों

(3) पाठ पर बिल्कुल आधारित न हों

(4) सरल भाषा वाले हों

99. भाषा-शिक्षण में खेल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि

(1) खेल भाषा को विस्तार देते हैं

(2) खेल में आनन्द आता है

(3) खेल में शारीरिक विकास होता है

(4) भाषा-शिक्षक को कम श्रम करना पड़ता है

100. एक प्राथमिक शिक्षक के रूप में आप सतत और व्यापक आकलन करते समय किसे सर्वोपरि मानते हैं ?

(1) लिखित प्रश्न-प्रत्र

(2) पाठ से देखकर सुलेख लिखना

(3) बच्चों द्वारा विभिन्न संदर्भों में भाषा-प्रयोग की क्षमता

(4) कठिन शब्दों का श्रुतलेखन

101. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की पठन-क्षमता का आकलन करने में किस प्रकार की सामग्री सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है ?

(1) बाल साहित्य की कोई संवादात्मक कहानी

(2) पाठ्य-पुस्तक

(3) औपचारिक पत्र

(4) आतंकवाद पर आधारित निबन्ध

102. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की घर की भाषा को अपनी कक्षा में स्थान देना ज़रूरी है, क्योंकि घर की भाषा

(1) बच्चे ने अभी पूर्णत: नहीं सीखी है

(2) बच्चे की भाषायी पूँजी है

(3) मानक स्वरूप लिए होती है

(4) सरल होती है

103. भाषा सीखने-सिखाने के सन्दर्भ में गृहकार्य का उद्देश्य होता है

(1) अभिभावकों को प्रसन्न करना

(2) बच्चों को कार्य में व्यस्त रखना

(3) कॉपियाँ भरवाना

(4) सीखने को विस्तार देना

104. भाषा सीखने में मातृ भाषा का व्याघात

(1) पूर्ण रूप से होता है

(2) नहीं होता है

(3) होता है

(4) आंशिक रूप से होता है

105. भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य ***नहीं*** है ?

(1) त्रुटियाँ अस्थायी होती हैं ।

(2) भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ स्थायी होती हैं ।

(3) भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ यह समझने में मदद करती हैं कि बच्चे के मस्तिष्क में क्या चल रहा है ।

(4) त्रुटियाँ सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग है ।

निर्देश : *नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 106 से 111) में* ***सबसे उचित*** *विकल्प चुनिए ।*

चींटियाँ ईर्ष्यालु नहीं होतीं
दौड़ती भागती
एक-दूसरे को संदेश पहुँचातीं
जीवन को परखती पहुँचती हैं वहाँ,
जहाँ कोई नहीं पहुँचा कभी चींटियों से पहले ।
संकेतों में करती हैं, वे शब्द संधान
रास्ता नहीं भूलतीं कभी स्मृति में रखती हैं संजोकर
दोस्त और दुश्मन के चेहरे
बिखरती हैं कभी-कभार वे मगर हर बार
नए सिरे से टटोलती हैं वे पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई गंध
फिर से एकजुट होते हुए ।।

106. चींटियाँ आपस में बातचीत कैसे करती हैं ?

(1) बोलकर

(2) संदेशों से

(3) संकेतों से

(4) छूकर

107. 'ईर्ष्यालु' किसे कहा जाता है ?

(1) सबसे घृणा करने वाला

(2) पाने की इच्छा करने वाला

(3) कुछ भी न चाहने वाला

(4) दूसरों से जलने वाला

108. चींटियों के स्वभाव में ***नहीं*** है

(1) संदेश पहुँचाना

(2) दौड़-भाग करना

(3) जीवन को परखना

(4) ईर्ष्या करना

109. बिखरी हुई चींटियाँ फिर से एकजुट कैसे होती हैं ?

(1) रास्ता टटोलने से

(2) मित्रों के सहयोग से

(3) शत्रुओं की चुनौती से

(4) पूर्वजों की गंध से

110. मित्र और शत्रु के चेहरों को चींटियाँ

(1) बिखेर देती हैं

(2) भूल जाती हैं

(3) याद रखती हैं

(4) पहचानती नहीं हैं

111. काव्यांश में 'मगर' का अर्थ है

(1) परन्तु

(2) मगरमच्छ

(3) घड़ियाल

(4) केवल

निर्देश : *नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 112 से 120) में* ***सबसे उचित*** *विकल्प चुनिए ।*

सारा संसार नीले गगन के तले अनंत काल से रहता आया है । हम थोड़ी दूरी पर ही देखते हैं क्षितिज तक, जहाँ धरती और आकाश हमें मिलते दिखाई देते हैं । लेकिन जब हम वहाँ पहुँचते हैं, तो यह नज़ारा आगे खिसकता चला जाता है । और इस नज़ारे का कोई ओर-छोर हमें नहीं दिखाई देता है । ठीक इसी तरह हमारा जीवन भी है ।

ज़िंदगी की न जाने कितनी उपमाएँ दी जा चुकी हैं, लेकिन कोई भी उपमा पूर्ण नहीं मानी गई, क्योंकि ज़िंदगी के इतने पक्ष हैं कि कोई भी उपमा उस पर पूरी तरह फ़िट नहीं बैठती । बर्नार्ड शॉ जीवन को एक खुली किताब मानते थे, और यह भी मानते थे कि सभी जीवों को समान रूप से जीने का हक़ है । वह चाहते थे कि इंसान अपने स्वार्थ में अंधा होकर किसी दूसरे जीव के जीने का हक न मारे । यदि इंसान ऐसा करता है, तो यह बहुत बड़ा अन्याय है । हमारे विचार स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे से मेल नहीं खाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि हम दूसरों को उसके जीने के हक़ से वंचित कर दें ।

यह खुला आसमान, यह प्रकृति और यह पूरा भू-मंडल हमें दरअसल यही बता रहा है कि हाथी से लेकर चींटी तक, सभी को समान रूप से जीवन बिताने का हक़ है । जिस तरह से खुले आसमान के नीचे हर प्राणी बिना किसी डर के जीने, साँस लेने का अधिकारी है, उसी तरह से मानव-मात्र का स्वभाव भी

होना चाहिए कि वह अपने जीने के साथ दूसरों से उनके जीने का हक न छीने । यह आसमान हमें जिस तरह से भय से छुटकारा दिलाता है, उसी तरह से हमें भी मानव-जाति से इतर जीवों को डर से छुटकारा दिलाकर उन्हें जीने के लिए पूरा अवसर देना चाहिए । दूसरों के जीने के हक़ को छीनने से बड़ा अपराध या पाप कुछ नहीं हो सकता ।

112. 'क्षितिज' किसे कहते हैं ?

(1) जहाँ धरती और आकाश पास-पास होते हैं

(2) जहाँ तक धरती दिखाई पड़ती है

(3) जहाँ से धरती और आकाश दिखाई पड़ते हैं

(4) जहाँ धरती और आसमान मिले हुए दिखाई देते हैं

113. यदि किसी का ओर-छोर नहीं है, तो

(1) उसका सिरा नहीं मिलता

(2) उसकी सीमा नहीं है

(3) उसका विस्तार अधिक है

(4) उसके बहुत से सिरे हैं

114. 'फ़िट' और 'इंसान' शब्द हैं

(1) आगत

(2) तत्सम

(3) तद्भव

(4) देशज

115. बर्नार्ड शॉ ने जीवन की उपमा किससे दी है ?

(1) खुली पुस्तक से

(2) सभी जीवों से

(3) क्षितिज से

(4) पढ़ी जा रही पुस्तक से

116. हम बहुत बड़ा अन्याय कर रहे होते हैं, यदि

(1) किसी को लूट लेते हैं

(2) किसी को टिकने नहीं देते

(3) किसी को जीने का अधिकार नहीं देते

(4) किसी से दुश्मनी रखते हैं

117. प्रकृति और खुला आसमान बता रहे हैं कि सबको

(1) मनमर्ज़ी करने का हक़ है

(2) प्रकृति से प्रेम करना चाहिए

(3) जीने का हक़ है

(4) निडर बने रहना चाहिए

118. आसमान हमें दिलाता है

(1) साथ-साथ रहने का अनुशासन

(2) भय से छुटकारे का आश्वासन

(3) भयभीत न करने का आग्रह

(4) रक्षा करने का वचन

119. किस शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग ***नहीं*** किया जा सकता ?

(1) जीव

(2) स्वभाव

(3) प्रकृति

(4) भय

120. 'अपराध' शब्द है

(1) पदार्थवाचक संज्ञा

(2) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(3) जातिवाचक संज्ञा

(4) भाववाचक संज्ञा

Candidates should answer questions from the following Part only if they have opted for ENGLISH as LANGUAGE – II.

परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने **भाषा – II** का विकल्प **अंग्रेज़ी** चुना हो ।

PART V
LANGUAGE II
ENGLISH

Directions : *Read the passage given below and answer the questions that follow (Q. No. 121 to 126) by selecting the* ***most appropriate*** *option.*

As District Employment Officer, my Father was given a jeep by the government. There was no garage in the office, so the jeep was parked in our house. My Father refused to use it to commute to the office. He told us that the jeep is an expensive resource given by the government — he reiterated to us that it was not 'his jeep' but the government's jeep. Insisting that he would use it only to tour the interiors, he would walk to his office on normal days. He also made sure that we never sat in the government jeep — we could sit in it only when it was stationary. That was our early childhood lesson in governance — a lesson that corporate managers learn the hard way, some never do.

The driver of the jeep was treated with respect due to any other member of my Father's office. As small children, we were taught not to call him by his name. We had to use the suffix 'dada' whenever we were to refer to him in public or private. When I grew up to own a car and a driver by the name of Raju was appointed, I repeated the lesson to my two small daughters. They have, as a result, grown up calling him 'Raju Uncle' — very different from many of their friends who refer to their family drivers as 'my driver'. When I hear that term from a school or college going person, I cringe. To me, the lesson was significant — you treat small people with more respect than you treat big people. It is more important to respect your subordinates than your superiors.

121. The author's father would not allow his family to use the jeep because

(1) the roads were full of potholes

(2) he was afraid of accidents

(3) the jeep was in a bad condition

(4) it was not their private vehicle

122. The author taught his children to

(1) treat small people with respect

(2) maintain a discreet distance from servants

(3) be kind to small people

(4) be firm with servants

123. The author was critical of his children's friends because their attitude to servants smacked of

(1) coarseness

(2) arrogance

(3) loftiness

(4) weakness

124. The author's attitude towards servants can be described as

(1) indifferent

(2) rational

(3) affectionate

(4) respectful

125. The opposite of the word 'refused' is

(1) received

(2) justified

(3) admired

(4) accepted

126. The word that can replace 'reiterated' is

(1) repeated

(2) recalled

(3) reconsidered

(4) revised

Directions : *Read the passage given below and answer the questions that follow (Q. No. 127 to 135) by selecting the* ***most appropriate*** *option.*

Srinivasa Ramanujan (1887 – 1920)

Ramanujan was born on December 2, 1887, in Erode (South India) as the eldest son in a family of six children. In November 1892, he entered, the Town High School at Kumbakonam as a half-fee scholarship-holder and passed the Matriculation Examination in 1904. In the school, he became a minor celebrity, walking off with merit certificates and prizes for academic brilliance. This school nourished him for six years, bringing him as close as he would ever come to a satisfying academic experience. When he was in the seventh standard, he gave clear evidence of his mathematical gifts; he could reel off the square root of a natural number to the specified number of places; he could point to the indeterminate nature of zero divided by zero. Ramanujan's mother — the family being close to penury — took in college students as boarders who noticing Ramanujan's interest in mathematics, brought him textbooks from the college library. Loney's 'Trigonometry' was one such treasure which he mastered.

During 1906 – 1912, Ramanujan was constantly in search of an employer to earn his livelihood. With his "Note-books" as his only recommendation, he sought the patronage of V. Ramaswamy Iyer, the founder of Indian Mathematical Society who was at Tirukovillur and asked for a clerical job in his office. The former had no mind to smother Ramanujan's genius and sent him back to Madras with a letter of introduction to P.V. Seshu Aiyar, then at the Presidency College, Madras. He gave in turn, Ramanujan a letter of recommendation to that true lover of mathematics, R. Ramachandra Rao, the District Collector, Nellore. This was the turning point in his life.

On the advice of P.V. Seshu Aiyar, Ramanujan communicated his theorems on divergent series in a historic letter dated January 16, 1913 to G.H. Hardy, who was ten years senior to Ramanujan. With the personal interest of Gilbert Walker and support given by Indian stalwarts, the University of Madras awarded its first scholarship to Ramanujan to study in Cambridge. Over the next three months, Ramanujan received four long letters from Hardy, who had already sprung into action, advising the India Office, of his wish to bring him to Cambridge.

127. Merit certificates and prizes awarded to Ramanujan at school are a proof of his

(1) intellectual brilliance

(2) sincerity

(3) dedication

(4) commitment

128. Ramanujan's mother took in college students as boarders because

(1) she wanted to give her son all the comforts of life.

(2) she wanted to save money to buy a house.

(3) she had to pay up huge debts.

(4) the family was on the verge of poverty.

129. The turning point in Ramanujan's life came when

(1) he got a job in Indian Mathematical Society.

(2) his name was recommended to the District Collector, Nellore.

(3) he was awarded a big cash award.

(4) he was given a scholarship.

130. The support Ramanujan received from his school suggests that

(1) a talented person needs nourishment to flourish.

(2) luck is more important than patronage.

(3) support or no support, men with talent forge ahead.

(4) fortune favours those who dare.

131. Identify the correct statement.

(1) Ramanujan did not get much support from his school.

(2) Ramanujan's mother did not want him to go abroad.

(3) Seshu Aiyar was Ramanujan's patron.

(4) Ramanujan was offered a job at Cambridge.

132. The phrasal verb, 'reel off' means to

(1) fishing

(2) rehearse easily

(3) articulate fast

(4) say quickly

133. The closest synonym for the word 'smother' is

(1) stifle

(2) discourage

(3) ruin

(4) deaden

134. The antonym for the word 'recommendation' is

(1) condemnation

(2) criticism

(3) revulsion

(4) disapproval

135. The word that can best replace 'nourished' is

(1) sent

(2) supported

(3) served

(4) gifted

Directions : *Answer the following questions by selecting the* ***most appropriate*** *option.*

136. Skilled reading is

(1) Deliberate

(2) Constructive

(3) Imaginative

(4) Progressive

137. Of the following, which one is the most important prerequisite for language learning, whether first or second ?

(1) Skills-based instruction

(2) A multilingual approach

(3) An input-rich communicational environment

(4) A structural-situational approach

138. A Hindi-speaking teacher gets posted in a primary school which is situated in a remote area of Rajasthan. Since she doesn't know the local language, she faces lots of problems. She should

(1) focus on the textbook as a source of standard Hindi.

(2) use the child's language as a resource while teaching.

(3) encourage the community to learn standard Hindi.

(4) try to get a posting to a Hindi-speaking area.

139. While teaching children to read, at which point should the teacher focus on comprehension ?

(1) After children have learned how to decode

(2) Right from the beginning

(3) Once children have mastered phonics

(4) When children reach class II

140. Here is a list of tasks commonly included in a language classroom. Which of these sees children as active learners ?

(1) Children carefully memorise correct answers to questions on a poem.

(2) Children write answers to questions given at the end of a poem.

(3) Children carefully note down answers from the blackboard.

(4) Children work in groups to generate interpretations of a poem.

141. The assessment of students' writing should most importantly focus on

(1) using idioms and metaphors.

(2) correct spelling and grammar.

(3) expressions and ideas.

(4) keeping to the word limit.

142. Choose the correct spelling.

(1) Dosent

(2) Doesn't

(3) Does'nt

(4) Doesnt'

143. A primary teacher should introduce reading through

(1) picture books

(2) alphabet books only

(3) phonic teaching

(4) stories

144. A teacher of class III realizes that vocabulary development is an important factor in enabling students to become better readers. Of the following, which might be a good strategy for vocabulary development ?

(1) Students learn to use the context to guess the meaning of new words.

(2) Students memorise extensive word-lists of synonyms and antonyms.

(3) Students consult a dictionary whenever they come across a new word.

(4) Students underline difficult words from a text and make sentences with them.

145. Children's oral language development forms an important foundation for learning literacy. Which of the following classroom practices enables oral language development ?

(1) Chorus reading of a story in the textbook along with the teacher

(2) Practising the correct pronunciation of words in a chorus

(3) Participating in role-plays on favourite stories

(4) Memorising and reciting poems individually or in a chorus

146. Which one of the following would be the best evidence to demonstrate to parents and administrators what students can do with language ?

(1) Lists of course goals and objectives

(2) Marks in a test

(3) Poems or paragraphs written by students

(4) National curriculum and syllabi

147. Before students start reading a story titled, 'Brave Bitto', the teacher initiates a discussion with them on 'Bravery'. What is the teacher trying to achieve through this activity ?

(1) Activate the intellectual stance of students.

(2) Activate enthusiasm in students.

(3) Activate the efferent stance in students.

(4) Activate the previous knowledge of students.

148. Mrs. Sinha asks prediction questions as she reads aloud a story to her class III students. She does this to

(1) make the story interesting.

(2) focus on comprehension.

(3) help students remember important details in the story.

(4) improve students' vocabulary.

149. Scribbling is a stage of

(1) Listening

(2) Writing

(3) Reading

(4) Speaking

150. If a student is making pronunciation errors, the best way to help him/her is to

(1) call his/her parents and complain.

(2) scold him/her in class for incorrect pronunciation.

(3) mock at him/her in class for incorrect pronunciation.

(4) provide him/her with correct pronunciation without any humiliation.

Candidates should answer questions from the following Part only if they have opted for HINDI as LANGUAGE – II.

परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने **भाषा – II** का विकल्प **हिन्दी** चुना हो ।

भाग V

भाषा II

हिन्दी

*निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए **सबसे उचित** विकल्प चुनिए ।*

121. प्राथमिक स्तर पर अधिकांशतः बच्चे _____ कविताएँ पसन्द करते हैं ।

(1) छोटी कविताएँ

(2) वीर रस की कविताएँ

(3) नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत कविताएँ

(4) लयपूर्ण कविताएँ

122. तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली सुनयना अकसर 'स' को 'श' कहती है । भाषा शिक्षक होने के नाते आप क्या करेंगे ?

(1) उसके इस तरह के प्रयोग पर बिल्कुल ध्यान नहीं देंगे

(2) यह क्षेत्रीय प्रभाव हो सकता है इसलिए उसे स्वयं ही सुधार करने के लिए पर्याप्त समय देंगे

(3) उसे 'स' और 'श' के उच्चारण-स्थान की पूर्ण जानकारी देंगे

(4) वह जब भी 'स' को 'श' कहेगी, उसे टोकेंगे ताकि उसमें सुधार हो सके

123. अमित पढ़ते समय कठिनाई का अनुभव करता है । वह _____ से ग्रस्त है ।

(1) अफ़ेज़िया

(2) डिस्लेक्सिया

(3) डिस्ग्राफिया

(4) डिस्कैल्कुलिया

124. दी गई सहायक सामग्री में से शेष से भिन्न सहायक सामग्री चुनिए :

(1) टेलीविज़न

(2) पत्र-पत्रिकाएँ

(3) बाल साहित्य

(4) समाचार-पत्र

125. प्राथमिक स्तर पर एक अध्यापिका 'संज्ञा' पढ़ाते समय पहले 'संज्ञा' की परिभाषा बताती है । उसके बाद उससे सम्बन्धित उदाहरण समझाती है । अध्यापिका व्याकरण शिक्षण की कौन-सी विधि अपनाती है ?

(1) सूत्र विधि

(2) आगमन विधि

(3) निगमन विधि

(4) प्रत्यक्ष विधि

126. प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा सिखाने का सर्वोपरि उद्देश्य है

(1) भाषा की कठिन बातों को सरलता से समझना

(2) भाषा के मानक स्वरूप को पूर्णतः आत्मसात् करना

(3) भाषा के व्याकरणिक नियमों को पूर्णतः आत्मसात् करना

(4) भाषा के विभिन्न प्रयोगों की क्षमता का विकास करना

127. बच्चों की लेखन क्षमता के आकलन में सबसे ***कम*** महत्त्वपूर्ण है

(1) विचारों की स्पष्टता

(2) मौलिकता

(3) कल्पनाशीलता

(4) मानक-वर्तनी

128. प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के अन्तर्गत बातचीत एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है, क्योंकि

(1) बच्चों को बातचीत करना अच्छा लगता है

(2) बातचीत शिक्षण का अनिवार्य अंग है

(3) हमारी पाठ-योजना में पहले से ही प्रस्तावित है

(4) यह सीखने और सीखी हुई बातों को सुदृढ़ बनाने का एक आधारभूत माध्यम है

129. बच्चों की श्रवण-योग्यता का विकास करने में सर्वाधिक सहायक है

(1) ऑडियो टेप

(2) शब्दों का श्रुतलेख

(3) परस्पर बातचीत

(4) भाषा-प्रयोगशाला

130. 'किसी कण में चित्रात्मक तथा रंग-बिरंगे चार्ट होने चाहिए ।' कौन-सा विकल्प इसके उद्देश्य की पूर्ति *नहीं* करता ?

(1) बच्चों को सीखने-सिखाने का वातावरण प्रदान करते हैं

(2) उससे शैक्षिक वातावरण को बनाने में मदद मिलती है

(3) बच्चे उसकी सामग्री से सीखने का प्रयास करते हैं

(4) बच्चों के कल्पनालोक के रंगों तथा आकृतियों को पहचान नहीं मिलती

131. प्राथमिक स्तर पर आधारभूत कौशल हैं

(1) पढ़ना और लिखना

(2) सुनना और बोलना

(3) पढ़ना और सुनना

(4) लिखना और बोलना

132. इनमें से _____ अक्षर-बोध की विधि *नहीं* है ।

(1) प्रत्यक्ष विधि

(2) वर्ण विधि

(3) शब्द विधि

(4) वाक्य विधि

133. प्राथमिक स्तर पर बच्चों की भाषा प्रयोग की क्षमता सम्बन्धी रिकॉर्ड तैयार करने के उपरांत कौन-सा कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है ?

(1) रिकॉर्ड की विश्वसनीयता की जाँच करना

(2) रिकॉर्ड को सुरक्षित रखना

(3) रिपोर्टिंग करना

(4) रिकॉर्ड की वैधता की जाँच करना

134. प्राथमिक स्तर पर पढ़ने की क्षमता के आकलन में सबसे *कम* महत्त्वपूर्ण है

(1) चित्रों से अनुमान लगाकर पढ़ना

(2) समझकर पढ़ना

(3) अक्षर जोड़कर पढ़ना

(4) पढ़ने में प्रवाह

135. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण में बाल साहित्य का प्रयोग किए जाने के पक्ष में सर्वाधिक ठोस तर्क है

(1) इनका प्रयोग बच्चों के भाषा-अनुभवों को विस्तृत करता है

(2) यह पाठ्य-पुस्तक से बेहतर होता है

(3) इन्हें पढ़ाना अपेक्षाकृत सरल होता है

(4) इन्हें पढ़ाने में शिक्षक को मज़ा आता है

निर्देश : नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 136 से 144) में ***सबसे उचित*** *विकल्प चुनिए ।*

आसमान में मुक्का मारना कोई बुद्धिमानी का काम नहीं समझा जाता । बिना लक्ष्य के तर्क करना भी बुद्धिमानी नहीं है । हमें भली-भाँति समझ लेने की आवश्यकता है, कि हमारा लक्ष्य क्या है ? हम जो कुछ प्रयत्न करने जा रहे हैं वह किसके लिए है ? साहित्य हम किसके लिए रचते हैं, इतिहास और दर्शन क्यों लिखते और पढ़ते हैं ? राजनीतिक आन्दोलन किस महान् उद्देश्य की सिद्धि के लिए करते हैं ? मनुष्य ही वह बड़ी चीज़ है जिसके लिए सब यह किया करते हैं । हमारे सब प्रयत्नों का एक लक्ष्य है, मनुष्य वर्तमान दुर्गति के पंक से उद्धार पाए और भविष्य में सुख और शांति से रह सके । वह शास्त्र, वह ग्रंथ, वह कला, वह नृत्य, वह राजनीति, वह समाज-सुधार जंजाल-मात्र है जिससे मनुष्य का भला न होता हो । मनुष्य आज हाहाकार के भीतर त्राहि-त्राहि पुकार रहा है । हमारे राजनीतिक और सामाजिक सुधार से अन्न-वस्त्र की समस्या सुलझ सकती है फिर भी मनुष्य सुखी नहीं बनेगा । उसे सिर्फ़ अन्न-वस्त्र से ही संतोष नहीं होगा । इसके बाद भी उसका मनुष्य बनना बाकी रह जाता है । साहित्य वही काम करता है । मनुष्य नामक प्राणी तो पशुओं में ही एक विकसित प्रजाति है और यदि मनुष्यता के गुण और मूल्य उसमें नहीं हैं तो वह मनुष्य नामक पशु ही है, मनुष्य नहीं । भोजन करना, सोना और वंश-वृद्धि जैसे काम प्रकृति के द्वारा तय हैं, सच्चा मानव बनने के लिए उसे जो दृष्टि चाहिए उसे पाने में साहित्य सहायक हो सकता है ।

136. आसमान में मुक्का मारने से आशय है

(1) अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना

(2) वीरतापूर्ण कार्य करना

(3) निरर्थक कार्य करना

(4) लोगों का ध्यान आकर्षित करना

137. बुद्धिमानी नहीं है

(1) राजनीतिक आंदोलन करना

(2) आसमान में मुक्का मारना

(3) निष्फल कार्य करना

(4) निरुद्देश्य तर्क करना

138. साहित्य, कला, नृत्य आदि व्यर्थ हैं यदि उनसे

(1) लक्ष्य न पाया जा सके

(2) धन न कमाया जा सके

(3) यश प्राप्त न हो सके

(4) मनुष्य का हित न हो सके

139. अन्न-वस्त्र आदि की समस्याएँ हल हो सकती हैं

(1) आवश्यकताओं की पूर्ति से

(2) सामाजिक सुधारों से

(3) राजनीतिक आन्दोलनों से

(4) अच्छे साहित्य से

140. मनुष्य के लिए प्रकृति द्वारा तय कामों में ***नहीं*** है

(1) वंश-वृद्धि

(2) सोना

(3) भोजन करना

(4) अन्न-वस्त्र की पूर्ति

141. मनुष्य एक पशु ही है यदि उसमें

(1) मानवीय मूल्य न हों

(2) सम्पन्नता न हो

(3) सामाजिकता न हो

(4) साहित्य के प्रति रुचि न हो

142. दिए गए शब्दों में से अर्थ की दृष्टि से भिन्न शब्द छाँटिए :

(1) लक्ष्य

(2) उद्देश्य

(3) उद्धार

(4) निशाना

143. अनुच्छेद में 'जंजाल' शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ?

(1) झंझट

(2) समस्या

(3) प्रयत्न

(4) त्राहि-त्राहि

144. 'बुद्धिमानी' शब्द है

(1) क्रिया

(2) संज्ञा

(3) सर्वनाम

(4) विशेषण

निर्देश : नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 145 से 150) में ***सबसे उचित*** *विकल्प चुनिए ।*

यह तो आप जानते हैं कि पृथ्वी प्रारम्भ में आग का गोला थी । मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि ऐसी आग में मुझ पानी का जन्म कैसे हुआ । लगता यह है कि हमारी पृथ्वी ज्यों-ज्यों ठंडी होती गई तो उसमें मौजूद गैसों में क्रियाएँ हुईं । हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक क्रियाओं से मेरा जन्म हुआ है । इन दोनों ने अपना अस्तित्व मिटाकर मुझे बनाया । पहले मैं पृथ्वी के ऊपर भाप रूप में ही था । फिर जाने क्या हुआ कि मैं ठोस बर्फ़ बन गया । कल्पना करो चारों ओर बर्फ़ ही बर्फ़ । जब सूर्य की किरणें हम पर पड़तीं तो चारों ओर सौन्दर्य बिखर पड़ता । लाखों वर्षों तक इस रूप में रहने के बाद मैं फिसलने लगा क्योंकि बर्फ़ के ही दबाव से निचली परत पिघलने लगी थी । फिसलकर हम पहुँचे सागर में । वहाँ की तो बात ही निराली थी । वहाँ अब तक हमसे पहले पहुँचे पानी में छोटे-छोटे जीव तैरने लगे थे । घोंघे, मछलियाँ और कछुवे भी । धीरे-धीरे सृष्टि का विस्तार हुआ । जल के बाद स्थल में जीव बनने लगे और आज आप उसी शृंखला के अंग हैं और अपने को मनुष्य कहते हैं ।

145. यह आत्मकथा किसकी है ?

(1) पानी की

(2) मनुष्य की

(3) पृथ्वी की

(4) बर्फ़ की

146. सबसे पहले जीवधारी कहाँ पैदा हुए ?

(1) भाप में

(2) जल में

(3) स्थल में

(4) बर्फ़ में

147. बर्फ़ क्यों फिसलने लगी थी ?

(1) बर्फ़ के बोझ और दबाव से निचली परत पिघल रही थी

(2) सूर्य ने पिघला दिया था

(3) समुद्र की लहरें आ गई थीं

(4) अपनी गर्मी से पिघल रही थी

148. मनुष्य किस शृंखला का अंग है ?

(1) जलजीवों की शृंखला का

(2) प्राकृतिक शृंखला का

(3) प्राकृतिक परिवर्तन शृंखला का

(4) जीवधारियों की शृंखला का

149. चारों ओर सौंदर्य _____ पड़ता ।

रिक्त स्थान के लिए शब्द होगा ।

(1) दमक

(2) बिफर

(3) बिखर

(4) चमक

150. कौन-सी संज्ञा बहुवचन में *नहीं* है ?

(1) जीव जल में तैर रहे हैं ।

(2) घोंघे चल रहे हैं ।

(3) कछुवे की चाल देखें ।

(4) घर बनने लगे हैं ।

SPACE FOR ROUGH WORK

रफ़ कार्य के लिए जगह

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left-hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
9. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
4. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, काग़ज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।**
9. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें ।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***